- a Louistin

Kope Billion

DOMESTIC SERVICE

प्रेपक,

आलोवा गुगार धीन. राविय, चतारांचल शासन।

रोधा में,

- . १ रामरत प्रमुख राचिव/सचिव, अल्ड कार्गका राजन्त्रक उत्तरांवल शासन। अवस्था के स्वार्विक
- 2. समस्त विमागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष, व्यव विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष,
- रामस्त जिलाधिकारी, जिल्लाचिका।

धगाणिया अनुसाग-2

देहरायूनः दिनांकः०६ प्रार्वरी 2003

थिपयः पिभिन्न पिभागों के अंतर्गत/तदर्थ/संविद्या/नियत वेतन/दैनिक वेतन पर <u>की</u> जाने वाली नियुक्तियों पर रोक।

महोयय.

Rom Suglan gelbushing.

उपर्युवत विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि शासन के संझान में यह तथ्य लाये गये हैं, कि कतिपय विभागों द्वारा श्रेणी—'म' तथा श्रेणी 'घ' के कतिपय पयों पर अश्वायी/संपिय/तर्थ/नियत येतन तथा दैनिक वेतन पर नियुवित्तयों की जा रही है। और इस संबंध में किसी प्रक्रिया/मानदण्ड का अनुपालन भी नहीं किया जा रहा है। शायाधीन रोवाओं/पयों पर गियुवित्तयों के लिए सुरागत रोवा नियमावित्यों में महीं एवं चयन की प्रक्रियाए प्रायधानित है। सेवाओं/पयों पर नियुवित्तयों भर्ती एवं चयन के सुरागत प्रायधानों के अनुसार आवेदन पत्रों के खुले आमंत्रण कर चयन उपरान्त वयित्र प्रायधानों के अनुसार आवेदन पत्रों के खुले आमंत्रण कर चयन उपरान्त वयित्र प्रायधानों में प्रयोणता कम में की जानी चाहिए। अन्वथा नियुवित्यों, जैसे दिनक वेतन, नियत वेतन, तदर्थ नियुवित्यों से सेवा संवर्गों में विस्तातियों उत्पन्न होती हैं। जोदित वेतन, तदर्थ नियुवित्यों से सेवा संवर्गों में विस्तातियों उत्पन्न होती हैं। जोदित संवर्धी विधाद भी उत्पन्न होते हैं। शासन की आरक्षण नीति के अनुसार विभिन्न वर्गों का रोवाओं/पदों पर आरक्षण प्रतिकृत रूप से प्रमावित होता हैं। जबिक प्रतिक्ष होने के परवात भी चयन की किसी प्रक्रिया का अनुपालन किये विना की गई विद्यायों के लग्व समय तक दनाये रखने पर विनियमितीकरण की माँग उठती है। जिससे रोवा संवर्धी गांगलों में प्रसिकृत प्रभाव पड़ता है।

- इस संवंध में राम्य्य विद्यारोपरान्त शासन द्वारा निम्निसिखत निर्णय लिये गये हैं:-
  - (i) येजी मा तथा थेजी चा के किसी भी पद पर दैनिक वैतन/तदर्थ/संविदा/ नियत वेतन पर निमुक्ति नहीं की जायेगी। इस प्रकृगर की निमुक्तियों पर पूर्ण रूप से प्रतिवन्ध रहेगा।यदि शिन्हीं अपरिहार्य परिरिधतियों में सबर्थ निमुक्ति विद्या जाना आवरयवा समझा जाता है तो ऐसा, समुचित प्रक्रिया निमारित

वारते पुष् यथा सम्भाग नियमावाली में निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप हो, कार्निक विभाग की सहमति के परधात भा. मंत्रि परिषद के अनुभोदन से ही किया जा सक्तिया। ऐसी नियुचित अल्पालिक होगी। उपरोचत से भिन्य स्वप में भी भयो अभियमित नियुचितयों को मन्त्रीर कदाचार समझा जायेगा। इस प्रकार की नियुचित के उपरान्त वैतन आहरण के प्रकरण प्रकार में आने पर संबंधित कोषाधिकारी /यरिष्ठ कोषाधिकारी हास उनका वैतन काट दिया जायेगा।

- (1) गोगागिकारी / चमेख कोषाणिकारी द्वारा ऐसी नियुक्ति के लिए प्रधानकार पुगरान हेतु बिल भेजे जाने पर संबंधित नियुक्ति प्राधिकारी / आहरण बितरण अधिकारी से उपयोगत प्रस्तर—2 (1) के अनुसार अनुमोदन प्रक्रिया से नियुक्ति करने थर प्रमाण पन्न 2 प्रतियों में प्राप्त किया जायेगा। आहरण बितरण अधिकारी द्वारा उपरोक्तानुसार प्रमाण पन्न न उपलब्ध कराने पर संबंधित व्यक्तियत का येतन आहरण नहीं किया जायेगा। आगामी माह के प्रधान सप्ताह में ऐसे प्राप्त प्रमाण पन्नों की एक प्रति संबंधित कोषाधिकारी द्वारा स्थित, कार्मिक विभाग को पंजीकृत डाक / विशेष बाहक द्वारा प्रत्येक माह की 10 सारीख सवा उपलब्ध करायी जायेगी।
- (iii) प्रश्तर 2 (1) के अनुसार की गयी नियुक्तियों को लम्बे समय तक नहीं चलाया जायेगा। सुरागत सेवा नियमावली के प्रावधानों के अनुसार नियमित गर्ता एवं चयन कर प्रक्रिया शीघताशीघ पूरी करके चयनित अन्यर्थियों की नियुक्ति की जायेगी।
- (छ) जिन नियुवित प्राधिकारियों /आहरण वित्तरण अधिकारियों द्वारा इसका एक्टांचन यरको अनियमित नियुवित्तयों की णायेगी, उनके विरुद्ध अनियमित नियुवितयों करने के लिए अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी और अनियमित नियुवत कार्यिक के वेतन/भक्तों पर किये गये, व्यय को उनसे वर्ला जायेगा। शासन से उपरोक्तानुसार अनुमति, प्राप्त, किये बिना, की स्थी अनियमित नियुवित्तयों को संबंधित नियोक्ता द्वारा, तृत्कृाल प्रकिया के अनुसर रागाप किया जायेगा।
- (v) प्रस्तार 2 (1) में उल्लिखित शिति से भिला शिति से की गयी अनियिभिः नियुगित करने पर उसका येतन आहरित, होने पर इस आशय की प्रतिकृद प्रविध्वि संबंधित नियुग्ति प्राधिकारी/आहरण वितरण अधिकारी की चरित्र पंजिया में की जायेगी।

 अतः अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित सारने था कट करे।

भवरीय,

(आलोम मुगार ग्रेन)